Dainik Bhaskar (Indore), 20th August 2024, Page-05

एनआईआरएफ को भेजी रिपोर्ट में खुलासा • यह पिछले साल से 12 करोड़ रुपए ज्यादा, चांद, सूरज और सैटलाइट डेटा से लेकर जासूसी उपकरण प्रोजेक्ट पर भी हो रहा काम

IIT इंदौर को इसरो-डीआरडी से जुड़े रिसर्च, कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट्स से मिली 38 करोड़ की फंडिंग

सौदामिनी ठाकुर | इंदौर

आईआईटी इंदौर एकेडमिक के साथ ही रिसर्च व कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट पर भी विस्तार से काम कर रहा है। यही वजह है कि इस साल उसे अलग-अलग रिसर्च और कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट से 38 करोड़ रुपए की आय हुई है। अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2021-22 में जहां संस्थान को 25.52 करोड़ रुपए कि फंडिंग मिली थी। वह एक वर्ष बाद ही 2022-23 में 37.96 करोड़ रुपए हो गई। इसमें 12 करोड़ का इजाफा हुआ है। एनआईआरएफ को आईआईटी इंदौर द्वारा भेजी गई जानकारी में यह आंकड़े सामने आए हैं।

खास बात यह है कि इसमें इसरो व डीआरडीओ के महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भी शामिल हैं। इसके अलावा साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड (सर्ब) के भी बिग टिकट प्रोजेक्ट्स आईआईटी इंदौर को मिले हैं। कई फैकल्टी 3 से 4 प्रोजेक्ट पर एक साथ काम कर रही हैं। सर्ब उन्हें अलग-अलग चरणों में ग्रांट दे रही है। सर्ब की ग्रांट खास तौर पर कोर साइंस रिसर्च के लिए दी जा रही है।

सूर्य-चंद्रमा व सैटलाइट डेटा एनालिसिस प्रोजेक्ट भी IIT के पास, इससे बड़ी ग्रांट

आईआईटी इंदौर इसरो के लिए कई अहम प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसमें ओस्कैट सैटलाइट डेटा का एनालिसिस और चांद की सतह पर पानी की खोज सबसे अहम है। रिसर्च व कंसल्टेंसी यहीं तक सिमित नहीं है, बल्कि आईआईटी सूरज के वातावरण को लेकर भी डेटा एनालिसिस कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ आईआईटी डीआरडीओ के साथ एनर्जी जनरेट करने वाले शूज के अलावा एक अहम प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसमें जासूसी के लिए नई टेक्नोलॉजी, 3- डी प्रिंटिंग आदि शामिल हैं। जानकार बताते हैं कि एक प्रोजेक्ट ऐसा भी है, जिसके तहत कहीं भी किसी भी जगह होने वाले विस्फोट की इमेजिंग की जा सके। ये प्रोजेक्ट डीआरडीओ के लिए किया जा रहा है।

रिसर्च प्रोजेक्ट : 20 लाख से 5 करोड़ तक की ग्रांट

स्थिति यह है कि बड़े संस्थानों के साथ ही आईआईटी कई छोटे-बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है। इसके लिए उसे 20 लाख रुपए से लेकर 5 करोड़ रुपए तक की फंडिंग मिल रही है। ये सभी प्रोजेक्ट्स फैकल्टी मेम्बर्स को 3 साल के लिए मिलते हैं। 2021-22 में आईआईटी को 206 प्रोजेक्ट्स के लिए 22 करोड़ रुपए की फंडिंग मिली थी, जो कि 2022-23 में बढ़कर 33 करोड़ पर पहुंच गई। हालांकि छोटे प्रोजेक्ट छोड़ते हुए आईआई ने इस बार बड़े व मीडियम प्रोजेक्ट पर काम किया। इसलिए प्रोजेक्ट की संख्या 174 रही।

कंसल्टेंसी : अलग-अलग प्रोजेक्ट के लिए मिलती है 3 लाख से 1.5 करोड़ रुपए की फंडिंग

इंडस्ट्रीज को आ रही परेशानियों के हल निकालने के लिए आईआईटी के पास कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट भी खूब आ रहे हैं। इसमें सिविल ब्रांच के पास ब्रिज, हाईवे की मजबूती चेक करना, सॉइल टेस्टिंग, प्रूफ चेकिंग, स्टील की गुणवत्ता की जांच जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। 2021-22 के 63 प्रोजेक्ट के लिए 3.46 करोड़ रुपए मिले थे, जबकि उसकी तुलना में 2022-23 में 99 कंसल्टेंसी प्रोजेक्ट के लिए 4.94 करोड़ रुपए फीस मिली। आईआईटी इंदौर के डीन रिसर्च आईए पलानी कहते हैं एनआईआरएफ कैटेगरी में रिसर्च रैंकिंग का प्रमुख मापदंड पेटेंट का होता है। वह 2022-23 में हमें कम मिले, लेकिन इस साल 2023-24 में कई सारे पेटेंट संस्थान को मिले हैं। इसका असर अगली रैंकिंग में जरूर देखने को मिलेगा। इसके साथ ही अब इंस्टिट्यूट को 15 साल हो चुके हैं। फैकल्टी की सीनियरिटी को देखते हुए ग्रांट भी बढ़ी है। इसे आने वाले समय में और आगे ले जाने की योजना है।